जनता कॉलेज, बकेवर, इटावा-206124

सामाजिक विकास में शिक्षा की भूमिका **दिनांक:08.02.2023**

जनता कॉलेज बकेवर, इटावा में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं कॉलेज एलुमनाई एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में आज दिनांक 8 फरवरी, 2023 को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के 58 वें स्थापना दिवस के अवसर पर कालेज में "सामाजिक विकास में शिक्षा की भूमिका" विषय पर जनता कॉलेज, बकेवर, इटावा के "स्वर्णिम इतिहास" के बारे में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनोज यादव ने सभी मुख्य वक्ताओं का स्वागत किया एवं कॉलेज के स्वर्णिम इतिहास की परिचयात्मक रूपरेखा रख कर कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने कॉलेज की स्थापना करने वाले महापुरुषों को नमन किया।

कॉलेज के प्राचार्य व कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉक्टर आरके त्रिपाठी ने बताया कि कॉलेज के संस्थापक स्वर्गीय देवेंद्र मणि त्रिपाठी एवं पूर्व सेक्रेटरी स्वर्गीय आनंद स्वरूप मिश्र को मालवीय जी के नाम से जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि उनके "शिक्षार्थ आइए- सेवार्थ जाइए" के मूल मंत्र के बारे में ज्ञान एवं सद्भाव की भावना से इस महाविद्यालय की स्थापना की। उन्होंने अपने सामाजिक कर्तव्य को निभाते हुए इस कॉलेज को प्रतिस्थापित किया।

कार्यक्रम में वक्ता के रूप में पूर्व छात्र व कृषि वनस्पति के विभागाध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र कुमार ने कॉलेज की स्थापना को विस्तार से बताया । उन्होंने कहा कि संस्थापक स्वर्गीय श्री देवेंद्र मणि त्रिपाठी एवं संस्थापक सेक्रेटरी स्वर्गीय श्री आनंद स्वरूप मिश्र के अथक प्रयास से सन 1951 में शिक्षा, कृषि उद्योग समिति का पंजीकरण कराया उसके उपरांत 21 दिसंबर 1951 में जूनियर स्कूल की स्थापना की। सन् 1952 में जनता इंटर कॉलेज की स्थापना की गई। सन् 1959 को जनता कॉलेज की स्थापना कर बीएससी विज्ञान के रूप में संचालित किया। संस्थापक एवं संस्थापक सेक्रेटरी को नमन करते हुए कहा कि वह चाहते तो अच्छा घर बना सकते थे, अपना व्यवसाय कर सकते थे लेकिन उन्होंने समाज के लिए अपना जीवन समर्पित कर इस बगिया को तैयार किया। उन्होंने बताया कि कॉलेज में बीएससी कृषि बीएससी जीव विज्ञान कॉमर्स एमएससी उद्यानिकी एमएससी भौतिकी एमएससी औद्योगिक रसायन एम कॉम एमएससी बायोटेक एमएससी माइक्रोबायोलॉजी पीजीडीसीए आदि को संचालित किए जा रहे हैं उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि प्रांतीय सरकार एवं नवीन पंचवर्षीय योजना में यूजीसी द्वारा

स्वीकृत अनुदान से कॉलेज में पुस्तकालय का की स्थापना की गई जिसमें आज 50792 पुस्तकें शोध पत्रिकाएं एवं समाचार पत्र शामिल है। इसके साथ उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय कैडेट को राष्ट्रीय सेवा योजना आदि के द्वारा पूरे क्षेत्र में नई-नई तकनीकियों को आस-पास के गांवों में प्रसार किया जाता है। कृषि वैज्ञानिकों के संयोजन से प्रयोगशाला से खेत का कार्यक्रम, मृदा परीक्षण, रोग प्रबंधन शस्य प्रबंधन, पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग के तकनीकियों का आदान-प्रदान, कीट प्रबंधन एवं फलों एवं सब्जियों के बारे में उत्कृष्ट ज्ञान देकर लाभान्वित किया जाता है।

कार्यक्रम में पूर्व छात्र एवं भौतिकी के विभागाध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि बकेवर नगर के सम्मानित उदार एवं प्रबुद्ध नागरिक स्वर्गीय श्री देवेंद्र मणि त्रिपाठी जी ने रु. 25000/- का प्रारंभिक दान देकर मात्र संस्था को स्थापित किया। 1 जनवरी 1952 को जनता विद्यालय जूनियर हाई स्कूल के रूप में इस मार्क संस्था का शुभारंभ किया गया 1 जुलाई 1952 से 9 मई कक्षा प्रारंभ हुई एवं 1 जुलाई 1954 से इंटरमीडिएट कक्षाएं भी प्रारंभ कर दी गई। सन 1959 में आगरा विश्वविद्यालय के सौजन्य से विज्ञान वर्ग में संबंध धन मिलने के पश्चात बीएससी गणित भौतिकी तथा रसायन विषयों में इस जनता कॉलेज बकेवर की स्थापना की गई। 1960 में बीएससी जीव विज्ञान एवं बीएससी कृषि, 1971 में एमएससी (गणित एवं जंतु विज्ञान), 1973 में भी बी. कॉम,1984 में एमएससी कृषि उद्यान शास्त्र, 1992 में पीजीडीसीए, 1993 में एम कॉम, एमएससी भौतिक शास्त्र, 1998 में स्नातक स्तर पर औद्योगिक रसायन 2001 में एमएससी औद्योगिक रसायन एवं माइक्रोबायोलॉजी, 2003 में एमएससी बायोटेक्नोलॉजी की शुरुआत की गई।

कार्यक्रम में पूर्व छात्र समिति के सचिव एवं रसायन विभाग के प्रयोगशाला सहायक कुलदीप अवस्थी ने बताया कि लगभग एक लाख छात्र-छात्राओं ने इस कॉलेज से शिक्षा ग्रहण की है उन्होंने कालेज के मूल मंत्र से छात्रों को शिक्षार्थ आइये सेवार्थ जाइये के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कॉलेज की उच्च शिक्षा के बारे में विस्तार से चर्चा की।

इसके उपरांत राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े स्वयंसेवकों की राष्ट्रीय सेवा योजना से संबंधित एक क्विज प्रतियोगिता कराई गई।

तत्पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं कालेज के सभी प्राध्यापकों के सहयोग से कालेज परिसर एवं छात्रावास परिसर में बृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ एके पांडेय, डॉ एम पी यादव, डॉ डीएन सिंह, डॉ पीके राजपूत, डॉ एमपी सिंह, डॉ

ललित गुप्ता, डॉ आदित्य कुमार, डॉ संजीव कुमार, डॉ ज्योति भदौरिया, डॉ प्रकाश दुबे, डॉ डीजे मिश्रा, डॉ योगेश शुक्ला, डॉ नवीन अवस्थी, डॉ संतोष चंदेल, डॉ आनंद सिंह, डॉ सत्यार्थ मौर्य, डॉ गोपीनाथ मौर्य, अजीत अग्निहोत्री, अल्ताफ वारसी, कोमल सिंह आदि की गरिमामई उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न कराया गया।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

जनता कॉलेज बकेवर के स्वर्णिम इतिहास के बारे में संगोष्ठी का आयोजन हुआ

पहल टुडे

बकेवर/इटावा। जनता कॉलेज बकेवर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं कॉलेज एलुमनाई एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के 58 वें स्थापना दिवस के अवसर पर सामाजिक विकास में शिक्षा की भूमिका₹ विषय पर जनता कॉलेज बकेवर के स्वर्णिम इतिहास के बारे में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनोज यादव ने सभी मुख्य वक्ताओं का स्वागत किया एवं कॉलेज के स्वर्णिम इतिहास की परिचयात्मक रूपरेखा रख कर कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने कॉलेज की स्थापना करने वाले महापुरुषों को नमन किया। कॉलेज के प्राचार्य व कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉक्टर आरके त्रिपाठी ने बताया कि कॉलेज के संस्थापक स्वर्गीय देवेंद्र मणि त्रिपाठी एवं पूर्व सेक्रेटरी स्वर्गीय आनंद स्वरूप मिश्र को मालवीय के नाम से जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि उनके ₹शिक्षार्थ आइए- सेवार्थ जाइए₹ के मूल मंत्र के बारे में ज्ञान एवं सद्भाव की भावना से

इस महाविद्यालय की स्थापना की। कार्यक्रम में पूर्व छात्र समिति के सचिव एवं रसायन विभाग के प्रयोगशाला सहायक कुलदीप अवस्थी ने बताया कि लगभग एक लाख छात्र-छात्राओं ने इस कॉलेज से शिक्षा ग्रहण की है उन्होंने कालेज के मूल मंत्र से छात्रों को शिक्षार्थ आइये सेवार्थ जाइये के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ एके पांडेय, डॉ एम पी यादव, डॉ डीएन सिंह, डॉ पीके राजपूत, डॉ एमपी सिंह, डॉ ललित गुप्ता, डॉ आदित्य कुमार, डॉ संजीव कुमार, डॉ ज्योति भदौरिया, डॉ प्रकाश दुबे, डॉ डीजे मिश्रा, डॉ योगेश शुक्ला, डॉ नवीन अवस्थी, डॉ संतोष चंदेल, डॉ आनंद सिंह, डॉ सत्यार्थ मौर्य, डॉ गोपीनाथ मौर्य, अजीत अग्निहोत्री, अल्ताफ वारसी, कोमल सिंह आदि की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न कराया गया।